Viksit India
2026 | Volume: 04 | Issue: 01 | Article: 65

श्रवण बाधित विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं सृजनात्मकता का संक्षिप्त समीक्षा

[1]श्वेता सिंह 'ऑसू' शोधार्थी
[2]डॉ॰ मीना कुमारी, प्राध्यापिका
शिक्षा विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

Article Info
Received: 11.10.2025
Revised: 10.11.2025
Published: 31.03.2026
Associate Editor: Dr. Vandna Singh

***Corresponding author**
Email:

Open Access

DOI:

This is an Open Access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/), which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.

https://pub.dhe.org.in/
ISSN: 2278-1757
Copyright © DHE

Abstract

किसी भी व्यक्ति को अधिकतम क्षमता प्राप्त करने के लिए, शारीरिक क्षमताओं और सहायक मनोवैज्ञानिक पहलुओं की आवश्यकता होती है । लेकिन हमारे बीच ऐसे लोग भी हैं जिनके पास शारीरिक अक्षमता है जो उन्हें आदर्श रूप से काम करने से रोकती है। उन्हें विशेष आवश्यकता वाले व्यक्ति कहा जाता है। मंगुनसॉन्ग (1998) के अनुसार, विकलांगता के कारण दुर्भाग्य से ग्रस्त कोई भी व्यक्ति "विशेष आवश्यकता वाले व्यक्ति" होता है। विकलांगता व्यक्तियों के लिए एक सामान्य भूमिका की पूर्ति को प्रतिबंधित करता है। हालांकि, एक विकलांग व्यक्ति और एक सामान्य व्यक्ति बिल्कुल एक ही होते हैं। एक विकलांगता जिसके अभी और विकसित होने की संभावना है, वह है श्रवण क्षति (पुत्र 2013) । बधिरता श्रवण हानि की एक स्थिति है जिसके परिणामस्वरूप एक व्यक्ति विभिन्न प्रकार की उद्दीपक को ग्रहण करने में असमर्थ हो जाता है, विशेष रूप से श्रवण इंद्रियों के माध्यम से (सोमंत्रि, 2007) । बधिर लोगों के लिए, बाधाएँ न केवल श्रवण में होती हैं, बल्कि जीवन के सभी पहलुओं से भी संबंधित होती हैं (शास्त्रविनाटा एट अल, 1977; मंगुनसॉन्ग एट अल, 1998)। जब वे कुछ कर रहे होते हैं, जिसमें विद्यालय के वातावरण में भी शामिल होते हैं, तो यह निश्चित रूप से उनके मनोवैज्ञानिक पहलू को प्रभावित करता है। शिक्षा प्रक्रिया में, विद्यार्थियों को आम तौर पर कार्य करने के लिए प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। कार्य करने की प्रेरणा को अभिप्रेरणा कहते हैं। अभिप्रेरणा एक महत्वपूर्ण तत्व है क्योंकि यह एक ऐसी चीज़ है जो विद्यार्थियों को विशिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित और निर्देशित करती है। निश्चित रूप से, अधिगम की प्रक्रिया से गुजरते समय, एक विद्यार्थी को हर कार्य पूर्णता से करना चाहिए। मास्लो (1984) के अनुसार भी जिन लोगों को असमर्थ माना जाता है उन्हें अपनी योग्यता और उपलब्धि की भावना को महसूस करना चाहिए।
मैक्लेलैंड (1987) ने 'उपलब्धि अभिप्रेरणा' शब्द का उपयोग उस प्रबल इच्छा को समझाने के लिए किया जो एक व्यक्ति को एक निश्चित निष्पादन प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अधिकतम परिणाम प्राप्त करने के लिए कार्य करता है और इस बात पर भी जोर देता है कि लक्ष्य कैसे प्राप्त किया जाए।

उपलब्धि अभिप्रेरणा चुनौतीपूर्ण गतिविधियों में योजना बनाने और भाग लेने की निरंतर इच्छा है जो उत्कृष्टता के व्यक्तिगत मानकों तक पहुंचने के अंतिम लक्ष्य के साथ महत्वपूर्ण प्रयास की मांग करती है। यह आंतरिक अभिप्रेरणा एक विशिष्ट लक्ष्य को पूरा करने की तीव्र इच्छा से आती है जो किसी की व्यक्तिगत जरूरतों और आकांक्षाओं के अनुरूप होती है। 'उपलब्धि अभिप्रेरणा' की अवधारणा मानव व्यवहार को समझने पर केंद्रित है। ऐसे व्यक्ति कुछ लक्ष्यों को प्राप्त करने, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। उपलब्धि अभिप्रेरणा को अन्य अभिप्रेरणाओं से जो अलग करता है वह उत्कृष्टता के कुछ मानकों को आगे बढ़ाने पर जोर है। इस अवधारणा को पहली बार मुर्रे (1943) ने पेश किया था, जिन्होंने उपलब्धि अभिप्रेरणा को कार्यों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पूरा करने की प्रवृत्ति के रूप में परिभाषित किया था। इसमें चुनौतीपूर्ण बाधाओं को दूर करने, जीवन के सभी पहलुओं में महारत हासिल करने और वस्तुओं और लोगों को प्रभावी ढंग से हेरफेर करने और व्यवस्थित करने की इच्छा शामिल है।

डेविड मैक्लेलैंड (1961) के अनुसार, उपलब्धि अभिप्रेरणा को अच्छा प्रदर्शन करने और सफलता के लिए प्रयास करने की इच्छा के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह चुनौतियों का सामना करने पर व्यक्ति के दृढ़ संकल्प और समर्पण को दर्शाता है और इसे मानव प्रेरणा का एक मूलभूत पहलू माना जाता है। मानव व्यवहार पर मस्तिष्क अनुसंधान के क्षेत्र में, उपलब्धि अभिप्रेरणा को अक्सर कम महत्वपूर्ण माना जाता है। हालाँकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस अभिप्रेरणा को उपलब्धि की आवश्यकता के रूप में भी जाना जाता है जिसे "एन-एसीएच" के रूप में संक्षिप्त किया जाता है। यह किसी व्यक्ति के कार्यों और कुछ हासिल करने और दूसरों की अपेक्षाओं को पार करने की मानसिकता से संबंधित है। अनिवार्य रूप से, यह उत्कृष्टता प्राप्त करने और महानता प्राप्त करने की अभिप्रेरणा है। उच्च स्तर की उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले व्यक्ति कम प्रेरणा स्तर वाले लोगों की तुलना में अधिक मेहनत करते हैं और अधिक प्रगति प्रदर्शित करते हैं। उपलब्धि की आवश्यकता एक आंतरिक शक्ति है जो व्यक्तियों को उनके लक्ष्यों की ओर अभिप्रेरित करती है। यह अन्य जैविक और सामाजिक-मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं के समान एक मौलिक और सार्वभौमिक आवश्यकता है।

'लोटस' (lotus) शब्द की व्युत्पत्ति अत्यंत जटिल है और यह लैटिन शब्द 'एडुएंटवेनर' (eduentvenor) से उत्पन्न हुई है, जिसका अर्थ है - आगे लाने का कार्य। उपलब्धि अभिप्रेरणा की अवधारणा मानव अनुभूति का एक आकर्षक पहलू है जिसे समाजीकरण के माध्यम से प्राप्त किया जाता है और यह कई इरादे के ढाँचों में से एक है। एटकिंसन & मैकलेलैंड ने 1950 और 1960 के दशक के मध्य में सीखी गई अभिप्रेरणा के रूप में उपलब्धि अभिप्रेरणा पर एक जटिल दृष्टिकोण विकसित किया। उनकी परिकल्पना के अनुसार, उपलब्धि प्रगति के लिए प्रयास करने और निराशा से बचने के बीच एक भावनात्मक संघर्ष से उत्पन्न होती है। इन दो प्रेरक दृष्टिकोणों का वर्णन मुख्य रूप से भावनात्मक शब्दों में किया गया था। उदाहरण के लिए, उपलब्धि-उन्मुख मानसिकता वाले व्यक्ति प्रगति में अपने विश्वास और दूसरों से आगे निकलने के गर्व की अपेक्षा से अभिप्रेरित होते हैं। दूसरी ओर, अपमान का डर निराशा को कम करता है और व्यक्तियों को ऐसी स्थितियों से बचने में मदद करता है जहाँ वे विफल हो सकते हैं। इन दो कारकों के बीच समानता या विशिष्टता उपलब्धि व्यवहार के प्रभाव, तीव्रता और प्रकृति को निर्धारित करती है। जो व्यक्ति निराशा से बचना चाहते हैं वे चुनौतीपूर्ण कार्यों से बचते हैं जब तक कि कोई बाहरी अभिप्रेरणा न हो, जैसे कि वित्तीय पुरस्कार या दंड। 'मोटिव' (motive) शब्द लैटिन शब्द "मूवर" (mover) से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'चलना'। यह एक मनोवैज्ञानिक जांच को संदर्भित करता है जो व्यवहार को अभिप्रेरित करता है और एक लक्ष्य निर्धारित करता है। अभिप्रेरणा एक आंतरिक शक्ति है जो किसी प्रतिक्रिया या व्यवहार को अभिप्रेरित करती है। कुछ शिक्षार्थी समान सामग्री या कार्यों को सीखने में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, उन्हें अधिक फायदेमंद और दिलचस्प पाते हैं, जबकि अन्य उनमें कम आनंद लेते हैं। अभिप्रेरणा सिद्धांत मानव व्यवहार को सक्रिय और निर्देशित करने के पीछे की प्रक्रियाओं की व्याख्या करता है, जिससे यह संगठनात्मक व्यवहार में अध्ययन का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन जाता है।

मैक्लेलैंड (1987) के अनुसार, उपलब्धि अभिप्रेरणा वह प्रयोजन है जो किसी व्यक्ति को उत्कृष्टता के मानक के संबंध में प्रतिस्पर्धा में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है जो व्यक्तिगत रूप से पिछले अनुभव या दूसरों की उपलब्धियों से प्राप्त होती है। ऐसा व्यक्ति जो सुनने में सक्षम नहीं है साथ-ही-साथ सामान्य श्रवण क्षमता वाले किसी व्यक्ति की तरह - दोनों कानों में 20 डीबी या इससे बेहतर सुनने की क्षमता - को श्रवण हानि कहा जाता है। श्रवण हानि अल्प , मध्यम, गंभीर या अतिगंभीर हो सकती है। यह एक कान या दोनों कानों को प्रभावित कर सकता है और तेज़ आवाज़ में बातचीत सुनने में कठिनाई पैदा कर सकता है।

"सुनने में कठिनाई" का तात्पर्य अल्प से लेकर गंभीर तक श्रवण हानि वाले लोगों से है। जिन लोगों को सुनने में कठिनाई होती है वे आम तौर पर बोली जाने वाली भाषा के माध्यम से संवाद करते हैं और श्रवण यंत्र, कर्णावत प्रत्यारोपण और अन्य सहायक उपकरणों के साथ-साथ अनुशीर्षक से भी लाभ उठा सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा

बुसातो एट अल. (2000) ने उच्च शिक्षा में शैक्षणिक सफलता के भविष्यवक्ता के रूप में बौद्धिक क्षमता, अधिगम शैली, व्यक्तित्व और उपलब्धि अभिप्रेरणा की जांच की। न्यादर्श में नीदरलैंड के 409 प्रथम वर्ष के मनोविज्ञान विद्यार्थियों को इस उद्देश्य के लिए शामिल किया गया था। अध्ययन के विश्लेषण से पुष्टि हुई कि उपलब्धि अभिप्रेरणा विद्यार्थियों की शैक्षणिक सफलता के साथ सकारात्मक रूप से जुड़ी हुई थी।

पांडा और जेना (2000) ने विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर माता-पिता की कुछ विशेषताओं के प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन के न्यादर्श में जयपुर और कालाखंडी जिलों के छह माध्यमिक विद्यालयों से चुने गए नौवीं कक्षा के 200 विद्यार्थी शामिल थे । परिणामों से संकेत मिलता है कि जयपुर से संबंधित विद्यार्थी जिनके पिता के पास उच्च शैक्षणिक योग्यता थी, उनमें कलाखंडी जिलों के विद्यार्थियों

की तुलना में बेहतर उपलब्धि अभिप्रेरणा थी। जिनके पिता की शैक्षणिक योग्यता कम थी। निष्कर्षों से यह भी पता चला कि माता-पिता की शिक्षा सकारात्मक रूप से उपलब्धि अभिप्रेरणा से संबंधित थी।

ब्रौसार्ड (2002) ने पहली और तीसरी कक्षा के विद्यार्थियों में कक्षाकक्ष अभिप्रेरणा और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों का पता लगाया। अध्ययन के उत्तरदाताओं में मध्यम आकार के दक्षिणी शहर लूसियाना के 122 प्रथम कक्षा और 129 तीसरी कक्षा के विद्यार्थी शामिल थे। विद्यार्थियों से कक्षा में आंतरिक छंद बाह्य अभिप्रेरणा अभिविन्यास के हार्टर के मापनी का उपयोग करके आंकड़ा एकत्र किया गया था। निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि उपलब्धि अभिप्रेरणा और निर्णय अभिप्रेरणा के उच्च स्तर वाले तीसरी कक्षा के विद्यार्थियों के उच्च शैक्षणिक निष्पादन से संबंधित हैं, हालांकि केवल उच्च स्तर की उपलब्धि अभिप्रेरणा पहली कक्षा के विद्यार्थियों के उच्च शैक्षणिक प्रदर्शन से संबंधित पाई गई है। कौर (2004) ने विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा की तुलना करने के लिए एक अध्ययन किया। न्यादर्श में लुधियाना जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के ग्यारहवीं कक्षा के 200 छात्र और छात्राएँ शामिल थे। परिणामों से पता चला कि छात्र और छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य अंतर सार्थक था, लेकिन इसके विपरीत ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य भी अंतर सार्थक था।

फ्रांसिस एट अल. (2004) ने मैरीलैंड के 18 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों पर शैक्षणिक उपलब्धि और उपलब्धि अभिप्रेरणा को बढ़ावा देने के लिए चर्चा और विपरीत मुद्दे-आधारित अभिवृत्ति पर एक अध्ययन किया। उपलब्धि अभिप्रेरणा रेटिंग मापनी के माध्यम से आँकड़ा एकत्र किया गया था और विद्यार्थियों की उपलब्धि विद्यालय रिपोर्ट से ली गई थी। अध्ययन के परिणामों से उपलब्धि अभिप्रेरणा के साथ शैक्षणिक उपलब्धि के सार्थक संबंध का पता चला।

सिद्धू और परमिंदर (2005) ने नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों की बुद्धि और उपलब्धि अभिप्रेरणा के संबंध में भौतिकी के शिक्षण में अवधारणा प्राप्ति मॉडल, अग्रिम आयोजक मॉडल और पारंपरिक पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन किया। पंजाब के संगरूर जिले के 240 विद्यार्थियों से प्रतिभा देव और आशा मोहन द्वारा उपलब्धि अभिप्रेरणा परीक्षण का उपयोग करके आँकड़ा एकत्र किया गया था। परिणामों से पता चला कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उपलब्धि अभिप्रेरणा का कोई सांख्यिकीय रूप से सार्थक प्रभाव नहीं पड़ा। परिणामों से यह भी पता चला कि बुद्धिमत्ता और उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य कोई संबंध नहीं था।

बंसल एट अल. (2006) ने उच्च उपलब्धि हासिल करने वाली शहरी किशोरियों के मध्य घरेलू वातावरण की गुणवत्ता, नियंत्रण के अवस्थान और उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य संबंधों का पता लगाया। भार्गव उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी और मिश्रा के घरेलू पर्यावरण सूची मापनी का उपयोग करके, लुधियाना शहर के 10 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के 100, ग्यारहवीं कक्षा के उच्च उपलब्धि हासिल करने वालों से आँकड़ा एकत्र किया गया था। परिणामों ने संकेत दिया कि घरेलू वातावरण की अच्छी गुणवत्ता का उच्च स्तर की उपलब्धि अभिप्रेरणा और उच्च स्तर की शैक्षणिक उपलब्धि के साथ सार्थक सकारात्मक संबंध था।

हलवाह (2006) ने शैक्षणिक उपलब्धि पर अभिप्रेरणा, पारिवारिक वातावरण और विद्यार्थी विशेषताओं के प्रभाव की जांच की। न्यादर्श में संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी जिले के 388 उच्च विद्यालय के विद्यार्थी शामिल थे, जिनमें 193 छात्र और 195 छात्राएँ शामिल थीं। विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा के स्तर को मापने के लिए लिकर्ट-प्रकार के उपकरण के माध्यम से आँकड़ा एकत्र किया गया था, जबकि शैक्षणिक उपलब्धि को विद्यार्थियों के ग्रेड बिंदु औसत का उपयोग करके मापा गया था। परिणामों से पता चला कि शैक्षणिक उपलब्धि और उपलब्धि अभिप्रेरणा (0.07) के मध्य संबंध बहुत छोटा था और उपलब्धि और पारिवारिक वातावरण (0.15) और अभिप्रेरणा और पारिवारिक वातावरण (0.19) के मध्य संबंध छोटा होते हुए भी सांख्यिकीय रूप से सार्थक था। शर्मा और सुब्रमण्यनंद (2006) ने गणित में आत्म-अवधारणा, उपलब्धि अभिप्रेरणा और उपलब्धि के मध्य संबंधों की जांच की, भारत में भोपाल के 80 छठी कक्षा के विद्यार्थियों के न्यादर्श पर लिंग तुलना की। शोधकर्ताओं द्वारा स्वयं विकसित गणित उपलब्धि परीक्षण का संचालन करके आँकड़ा एकत्र किया गया था। परिणाम से विद्यार्थियों की गणित में उपलब्धि अभिप्रेरणा और उपलब्धि के मध्य एक सार्थक सकारात्मक संबंध सामने आया।

फ्रोच्लिच (2007) ने बुद्धि सिद्धांत, उपलब्धि अभिप्रेरणा, एट्रिब्यूशन शैली और विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी करियर की पसंद पर उनके प्रभावों में लिंग अंतर का पता लगाया। यह न्यादर्श न्यूयॉर्क के न्यू पाल्ट्ज़ कैम्पस से 174 महिला और 154 पुरुष विद्यार्थियों से लिया गया था। आँकड़ा ऑनलाइन सर्वेक्षण प्रारूप के माध्यम से एकत्र किया गया था। अध्ययन के परिणामों ने बुद्धिमत्ता और उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य एक सार्थक संबंध प्रदर्शित किया।

लॉगू (2007) ने विद्यार्थियों के संज्ञानात्मक निष्पादन व्यवहार पर उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव की जांच की। लागोस से स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्शकरण द्वारा 200 विद्यार्थियों का

एक न्यादर्श चुना गया था। विद्यार्थियों से आँकड़ा एकत्र करने के लिए उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र का उपयोग किया गया था। अध्ययन के परिणामों ने उपलब्धि अभिप्रेरणा और विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सकारात्मक संबंध का संकेत दिया।

नवरेटे एट अल. (2007) ने कैलिफोर्निया के उच्च विद्यालय जिलों के 149 विद्यार्थियों के न्यादर्श पर संयुक्त राज्य अमेरिका के लातीनी और एंग्लो अमेरिकी उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों में संस्कृति और उपलब्धि अभिप्रेरणा पर एक अध्ययन किया। न्यादर्श को प्रशासित करके संस्कृति मूल्य अभिविन्यास और आरोपन-भावना मापनी द्वारा आँकड़ा एकत्र किया गया था। विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि के माप के रूप में ग्रेड प्वाइंट औसत लिया गया। यह पाया गया कि माता-पिता की सामाजिक-आर्थिक स्थिति और शिक्षा दोनों संस्कृतियों के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि और उपलब्धि अभिप्रेरणा को प्रभावित करती है।

आचार्य और जोशी (2009) ने किशोरों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर माता-पिता की शिक्षा के स्तर के प्रभाव का अध्ययन किया। वाराणसी से शिक्षा के चार स्तरों: उच्च विद्यालय, उच्चतर, स्नातक और स्नातकोत्तर वाले माता-पिता के कुल 200 उच्चतर विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में चुना गया था। विद्यार्थियों को देव-मोहन उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी प्रदान करके आँकड़ा एकत्र किया गया था। परिणाम ने संकेत दिया कि माता-पिता की शिक्षा के स्तर ने शैक्षणिक क्षेत्र में उपलब्धि अभिप्रेरणा को प्रभावित किया। माता-पिता की शिक्षा का स्तर जितना ऊँचा होगा, शैक्षणिक क्षेत्र में उपलब्धि की अभिप्रेरणा उतनी ही अधिक होगी।

चतुर्वेदी (2009) ने युवा किशोरों की उपलब्धि अभिप्रेरणा और शैक्षणिक उपलब्धि पर विद्यालय के वातावरण और कुछ जनसांख्यिकीय चर के प्रभाव की जांच की। न्यादर्श में भोपाल के विभिन्न विद्यालयों से 12-15 वर्ष की आयु सीमा के 300 विद्यार्थी शामिल थे। उपलब्धि अभिप्रेरणा को मापने के लिए देव-मोहन के उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी का उपयोग किया गया था। पिछले तीन वर्षों में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों के प्रतिशत का उपयोग शैक्षणिक उपलब्धि के माप के रूप में किया गया था। परिणामों से शैक्षणिक अभिप्रेरणा और उपलब्धि के मध्य सकारात्मक सार्थक संबंध का पता चला।
कॉनरॉय एट अल. (2009) ने पारस्परिक व्यवहार में उपलब्धि अभिप्रेरणा की अभिव्यक्ति का अध्ययन किया। संयुक्त राज्य अमेरिका के छोटे निजी विश्वविद्यालय के 219 विद्यार्थियों और बड़े सार्वजनिक विश्वविद्यालय के 172 विद्यार्थियों के न्यादर्श पर दो अध्ययन किए गए और निष्कर्षों से पता चला कि उपलब्धि के उद्देश्य पारस्परिक व्यवहार से जुड़े नहीं थे। हालाँकि, उपलब्धि के उद्देश्यों का शैक्षणिक सफलता पर सार्थक प्रभाव पड़ा।

उमादेवी (2009) ने प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थी-शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, उपलब्धि अभिप्रेरणा और शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य संबंध का पता लगाने के लिए एक अध्ययन किया। न्यादर्श में कर्नाटक के दावणगेरे शहर के विभिन्न कॉलेजों में पढ़ने वाले 200 प्राथमिक विद्यालय के छात्राध्यापक शामिल थे। भार्गव द्वारा विकसित उपलब्धि अभिप्रेरणा परीक्षण का संचालन करके आँकड़ा एकत्र किया गया था। शैक्षणिक उपलब्धि को द्वितीय वर्ष की बोर्ड परीक्षा के वार्षिक अंकों के रूप में लिया गया। निष्कर्षों से पता चला कि उपलब्धि अभिप्रेरणा और विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य एक सार्थक सकारात्मक संबंध था।

गाज़ी (2010) ने प्राथमिक स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में अपने बच्चों की शैक्षणिक अभिप्रेरणा में माता-पिता की भागीदारी की जांच की। पाकिस्तान के बन्नू के 250 विद्यार्थियों के न्यादर्श पर अध्ययन किया गया। विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से संरचित साक्षात्कार द्वारा आँकड़ा एकत्र किया गया। यह पाया गया कि माता-पिता के प्रोत्साहन, शिक्षा के महत्व और शैक्षिक मामलों की चर्चा का उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सीधा और सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

मज्ज़ुब (2010) ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के मध्य उपलब्धि अभिप्रेरणा और स्व-विनियमित सीखने की प्रविधियों के मध्य संबंधों की जांच की। अध्ययन में मलेशिया के 300 स्नातक विद्यार्थियों के एक न्यादर्श ने भाग लिया। परिणामों ने संकेत दिया कि उपलब्धि अभिप्रेरणा और स्व-अधिगम की रणनीतियों के मध्य एक सकारात्मक और सार्थक संबंध मौजूद है।

बहागो (2011) ने अदामावा राज्य में खानाबदोश फुलानी छात्राओं के शैक्षणिक प्रदर्शन पर उपलब्धि अभिप्रेरणा और जनसांख्यिकीय विशेषताओं के प्रभाव की जांच की। खानाबदोश प्राथमिक विद्यालयों से चयनित 300 छात्राओं के न्यादर्श से आँकड़ा एकत्र किया गया था। परिणामों ने संकेत दिया कि उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों ने शिक्षाविदों में बेहतर प्रदर्शन किया जिससे उपलब्धि अभिप्रेरणा और शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध का पता चला। उपलब्धि अभिप्रेरणा माता-पिता की शिक्षा के स्तर से प्रभावित पाई गई। बख्तियारवंद एट अल. (2011) ने 200 कॉलेज विद्यार्थियों के सीखने के अभिवृत्ति और शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध पर उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्यम प्रभाव की जांच की। अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि उपलब्धि अभिप्रेरणा ने अधिगम

के अभिवृत्ति और शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध को नियंत्रित किया। परिणामों ने यह भी संकेत दिया कि उपलब्धि अभिप्रेरणा अप्रत्यक्ष रूप से अधिगम के अभिवृत्ति और शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध को प्रभावित करती है

मंजुवाणी और अनुराधा (2011) ने एकल माता-पिता और दो माता-पिता वाले परिवारों में बच्चों की उपलब्धि अभिप्रेरणा की तुलना करने के लिए एक अध्ययन किया। न्यादर्श में अध्ययन के लिए ऐक्छिक रूप से चयन किये गए दोनों लिंगों के 186 विद्यार्थी शामिल थे। आँकड़ा एकत्र करने के लिए देव-मोहन उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी का उपयोग किया गया था। परिणामों से पता चला कि एकल माता-पिता परिवारों के बच्चों में दो मूल परिवारों के बच्चों की तुलना में उपलब्धि अभिप्रेरणा में काफी अंतर था। यह भी निष्कर्ष निकाला गया कि माता-पिता की अपेक्षाओं और मार्गदर्शन ने उच्च उपलब्धि की आवश्यकता को विकसित किया।

रंजन (2014) ने सामान्य और शारीरिक रूप से विकलांग कॉलेज के विद्यार्थियों के मध्य समायोजन और उपलब्धि अभिप्रेरणा में अंतर की जांच की। न्यादर्श में उत्तर प्रदेश के ललितपुर शहर से चयन किये गए 80 कॉलेज विद्यार्थी शामिल थे। आँकड़ा एकत्रित करने के लिए महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए समायोजन सूची और उपलब्धि परीक्षण वाले उपकरणों का एक समुच्चय प्रशासित किया गया था। परिणाम से पता चला कि सामान्य और विकलांग महाविद्यालय विद्यार्थियों के घर, स्वास्थ्य, सामाजिक और भावनात्मक समायोजन में अंतर सार्थक था।

रहमावती और दौले (2016) ने लिंग के संदर्भ में श्रवण बाधित किशोरों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का वर्णन किया। शोधार्थी ने मैक्लेलैंड (1987) के उपलब्धि अभिप्रेरणा सिद्धांत का उपयोग किया जो कार्य कठिनाई स्तर, दृढ़ता, प्रतिक्रिया, इनाम और नवीनता के चयन को संदर्भित करता है। न्यादर्शकरण तकनीक समूह यादृच्छिक न्यादर्शकरण थी, जिसमें 11-21 वर्ष की आयु के 161 किशोर शामिल थे। उपयोग की गई आँकड़ा विश्लेषण विधि वर्णनात्मक विश्लेषण थी। आँकड़ा विश्लेषण के परिणाम से पता चला कि मेदान शहर के विशेष आवश्यकता विद्यालय में श्रवण बाधित किशोर और किशोरियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा मध्यम श्रेणी में है, जिसमें किशोरियों के लिए 72.3% और किशोरों के लिए 69.2% प्रतिशत है।

माली & कुमार (2017) ने सृजनात्मक चिंतन पर अलग-अलग आवासीय पृष्ठभूमि वाले निजी और सरकारी दोनों विद्यालयों में पढ़ने वाले पुरुष और महिला माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के मध्य अंतर की जांच की। जम्मू शहर के माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले 300 विद्यार्थियों का एक नमूना यादृच्छिक रूप से चुना गया था। अन्वेषक ने व्यक्तिगत रूप से प्रतिभागियों से मुलाकात की और उपकरण का प्रशासन किया। डेटा संग्रह के लिए डॉ कुलविंदर सिंह (1981) द्वारा सृजनात्मक चिंतन का मौखिक परीक्षण का उपयोग किया गया था। डेटा का विश्लेषण करने के लिए माध्य, एस.डी और तीन तरह से एनोवा की गणना की गई थी। निष्कर्षों से पता चला कि समग्र सृजनात्मक चिंतन पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले निजी और सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले पुरुष और महिला माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं था और लिंग और आवासीय पृष्ठभूमि, विद्यालय के प्रकार और आवासीय पृष्ठभूमि के बीच कोई बातचीत नहीं पाई गई ।

ऐश्वर्या और हमीद (2018) ने श्रवण दोष वाले और बधिर किशोरों के मध्य उपलब्धि अभिप्रेरणा के स्तर का पता लगाने और तुलना करने का प्रयास किया। अध्ययन का न्यादर्श आकार 100 विद्यार्थियों का था, जहां 50 विद्यार्थी श्रवण बाधित थे और 50 विद्यार्थी सामान्य थे। आँकड़ा संग्रह के लिए देव-मोहन उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी का उपयोग किया गया था। एकत्रित आंकड़ों के विश्लेषण के लिए आवृत्तियों और प्रतिशतों की गणना और माध्य अंतर विश्लेषण का उपयोग किया गया। अध्ययन से पता चला कि श्रवण बाधित और सामान्य विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य अंतर सार्थक मौजूद है। अध्ययन के परिणामों के अनुसार, श्रवण बाधित किशोरों में सामान्य विद्यार्थियों की तुलना में बेहतर उपलब्धि अभिप्रेरणा पाई गई।

दत्ता & राजकोनवर (2018) ने असम के धेमाजी जिले में माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता की जांच की। यह अध्ययन दो (200) सौ कक्षा-X के विद्यार्थियों पर किया गया था, जिसमें लड़के (100) और लड़कियों (100) के साथ-साथ जिले के ग्रामीण और शहरी इलाकों को उचित प्रतिनिधित्व दिया गया था। 08 सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग करके किया गया था, और विद्यार्थियों का चयन सरल यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग करके किया गया था। बाकर मेहदी द्वारा विकसित सृजनात्मकता परीक्षण का उपयोग करके डेटा संग्रह के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया जाता है। इस अध्ययन ने बताया कि धेमाजी जिले के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता में पुरुष / महिला; ग्रामीण / शहरी; और सरकारी / निजी के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं था।

हलदर और भट्टाचार्य (2020) ने दसवीं कक्षा के सौ विद्यार्थियों पर एक अध्ययन किया, जिसमें लड़कों (50) और लड़कियों (50) और ग्रामीण और शहरी समुदायों को उचित प्रतिनिधित्व दिया

गया। अध्ययन ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिलों में माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता की जांच की। स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग करते हुए, दो ग्रामीण और दो शहरी माध्यमिक विद्यालयों को चुना गया और विद्यार्थियों को सरल यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग करके चुना गया। बी.के.पासी द्वारा विकसित सृजनात्मकता परीक्षण का उपयोग करके डेटा एकत्र करने के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया जाता है।

हेडज़ीफ़ेंडी और महमुटोविक (2021) ने बधिर और अल्प श्रवण वाले विद्यार्थियों के शैक्षणिक उपलब्धि के लिए अभिप्रेरणा के मध्य अंतर निर्धारित किया और उनकी तुलना सामान्य विद्यार्थियों से की । न्यादर्श में 16.5 ± 1.34 वर्ष की औसत आयु के 94 विद्यार्थी शामिल थे। न्यादर्श को तीन समूहों (बधिर, अल्प श्रवण वाले और सामान्य विद्यार्थी) में बांटा गया था। परीक्षण के लिए, शोधार्थियों ने निम्नलिखित का उपयोग किया: उपलब्धि अभिप्रेरणा की ग्रेट सूची, शैक्षणिक उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा का आकलन करने के लिए मापने वाला उपकरण, जिसमें पांच उप-परीक्षण शामिल हैं। माप के 13 क्षेत्र (सुज़िक, 2006)। अंतर परीक्षण के लिए विचरण (एनोवा) के विश्लेषण के साथ 1 परीक्षण का उपयोग किया गया था, "टी-टेस्ट" ने "आत्म-प्रभावकारिता", "व्यवसाय", "नियंत्रण" और "गैर-अनुरूपता" के क्षेत्रों में सांख्यिकीय रूप से अंतर सार्थक निर्धारित किया। बधिर और अल्प श्रवण वाले विद्यार्थियों ने इन मापदंडों पर अपने सामान्य समकक्षों की तुलना में कम अभिप्रेरणा प्रदर्शित की। "शैक्षणिक उपलब्धियों के मूल्यांकन के क्षेत्र में बधिर और अल्प श्रवण वाले विद्यार्थियों ने एक साथ प्रदर्शित किया, उनके सामान्य समकक्षों की तुलना में बेहतर अभिप्रेरणा और अंतर सांख्यिकीय रूप से सार्थक था, भिन्नता के विश्लेषण के साथ यानी अतिरिक्त तुकी परीक्षण के साथ, शोधार्थियों ने निर्धारित किया है कि सांख्यिकीय रूप से अंतर सार्थक केवल मौजूद है बधिर और अल्प श्रवण वाले विद्यार्थियों की तुलना करते समय, लेकिन अल्प श्रवण वाले और सामान्य विद्यार्थियों की तुलना करते समय नहीं।

राव (2022) ने माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के मध्य सृजनात्मकता का एक अध्ययन किया। वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य विकल्प, उपयोग और समानता जैसे आयामों के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता का पता लगाना और यह पता लगाना है कि सृजनात्मकता के बारे में लड़के और लड़कियों, ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों और सरकारी और निजी विद्यालय के विद्यार्थियों के ज्ञान में कोई महत्वपूर्ण अंतर है या नहीं। इस अध्ययन के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग किया गया है। नमूने में माध्यमिक विद्यालय स्तर के 120 विद्यार्थी शामिल हैं। चर के प्रत्येक उप नमूने में समान संख्या में विद्यार्थी होते हैं। इस अध्ययन के लिए विकसित प्रश्नावली में वॉलाच और कोगन द्वारा तैयार मौखिक सृजनात्मकता उपकरण पर 19 प्रश्न शामिल थे।

संदर्भ सूची

- आचार्य, एन. & जोशी, एस. (2009). इंफ्लुएंस ऑफ पैरेंट्स एडुकेशन ऑन अचीवमेंट मोटीवेशन ऑफ अडोलेसेन्ट्स. इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्चेस, 6(1), 72-79.
- इलोगु, जी. सी. (2007). द इफेक्ट ऑफ स्टूडेंट्स अचीवमेंट मोटिवेशन ऑन देयर कॉग्निटिव पेरफॉर्मांस बिहैवियर. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडुकेशनल रिसर्च, 3(1), 105-113.
- उमादेवी, एम. आर. (2009). रिलेशनशिप बिट्वीन इमोशनल इंटेलिजेंस, अचीवमेंट मोटिवेशन एंड अकादमिक अचीवमेंट. एड्यूट्रेक, 8(12), 31-35.
- ऐश्वर्या, एम. & हमीद, ए. (2018). अचीवमेंट मोटिवेशन ऑफ अडोलेसेन्ट्स विथ एंड विथोउत् हियरिंग इम्पैरमेंट: ए कॉम्परेटिव अनालिसिस. CONFLUX जर्नल ऑफ एडुकेशन, 7(1), 28-32.
- कॉनरॉय, ई., इलियट, एंड्रयू एंड पिन्कस, आरोन (2009). द एक्सप्रेशन ऑफ अचीवमेंट मोटिवस इन इंटर पर्सनल प्रॉब्लम. जर्नल ऑफ पर्सनलिटी, 77(2), 495-526.
- कौर, जसराज (2004). अचीवमेंट मोटिवेशन ऑफ स्टूडेंट्स. सिकिया खोज पत्र, 3, 19-21.
- गाजी, सफदर, आर., गुलाप एस., उज़्मा सैयद गिलानी, मुहम्मद नौमन एस. मुहम्मद आर. (2011). रिलेशनशिप बिट्वीन स्टूडेंट्स सेल्फ - पर्सिवड मल्टिपल इंटेलिजेंस एंड देअर अकादमिक अचीवमेंट. इंटेलिजेंस जर्नल ऑफ अकादमिक रिसर्च, 3, 2.
- चतुर्वेदी, एम. (2009). स्कूल एनविरोंमेंट, अचीवमेंट मोटिवेशन एंड अकादमिक अचीवमेंट. इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्चेस, 6(2), 29-37.
- दत्ता & राजकोनवर (2018). ए स्टडी ऑन क्रिएटिविटी ऑफ़ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इन धेमाजी डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ असम. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन सोशल साइंसेज, 8 (11), 318-326.
- नवारेट, ब्रेंडा, हेक्टर & पैट्रिसियन फ्लाईन (2007). कल्चर एंड अचीवमेंट मोटिवेशन इन लैटिनो एंड एंग्लो-अमेरिकन हाई स्कूल स्टूडेंट्स इन यू. एस. ए. पेपर प्रेसेंटेड ऐट थर्टी फर्स्ट इंटर अमेरिकन कांग्रेस ऑफ साइकोलॉजी. मेक्सीको सिटी.

- पांडा, एम. & जेना, ए. के. (2000). इफेक्टस ऑफ सम पैटरनल करक्टेरिस्टिक ऑन क्लास नाइन्थ स्टूडेंट्स अचीवमेंट मोटिवेशन. इंडियन साइकोलॉजिकल रिव्यू, 54(3), 129-133.
- पुत्र, हेंद्रा. (2013). बीना लर्निंग इंफ्लुएंस द पर्सेपसन ऑफ साउंड एंड रीथम टू द डेवेलपमेंट ऑफ कम्युनिकेशन एंड ऑटोनोमी चाइल्ड विथ हियरिंग इम्पैयरमेंट इन एस. एल. बी., नघविं. 3 दिसंबर 2024 को लिया गया. http://www.scribd.com.
- फ्रांसिस आनंद, अट्टिय जी., आर. हैवर -डाइटर, एडम डी. के., कटिए के., एलाईसों एल. एम. कर्क, स्टेनली एल., अरुल एम. टी. एंड टेरेसा ये (2004). प्रोमोटिन्ग अकादमिक अचीवमेंट एंड मोटिवेशन. थेसिस सबमिटेड इन यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड. www.gemstone.umd.edu
- फ्रॉएहलीच, शैरॉन डब्ल्यू. (2007). जेंडर डिफ्रेंसेस इन इंटेलिजेंस थ्योरी, अचीवमेंट मोटिवेशन एंड ऐट्रिब्यूशन स्टाइल. इफेक्ट्स ऑन चॉइस ऑफ साइंस, मैथ एंड टेक्नोलॉजी कॅरिअरस. ए थेसिस सबमिटेड टू द डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी ऑफ द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयोर्क.
- बंसल, शैली, एस. के. थिंड एंड एस. जसवाल (2006). रिलेशनशिप बेट्वीन क्वालिटी ऑफ होम एनावरणमेंट, लोकस ऑफ कंट्रोल एंड अचीवमेंट मोटिवेशन अमंग हाई अचीवर अर्बन फीमेल अडोलेसेण्ट्स. जर्नल ऑफ ह्युमेन एकोलॉजी, 19(4), 253-257.
- बख्तियारवंद एफ., सना ए. काज़ेम डी., & होज्जत ए. फरहनी, (2011). द मॉडरेटिंग इफेक्ट ऑफ अचीवमेंट मोटिवेशन ऑन रिलेशन ऑफ लर्निंग अप्रोचेस् एंड अकादमिक अचीवमेंट. http://www.worldeducationcenter.eu से लिया गया.
- बहागो, बीट्रिसे अहमदु (2011). इंटेलिजेंस ऑफ अचीवमेंट मोटिवेशन एंड डेमोग्राफिक करक्टेरिस्टिस ऑन अकादमिक पेरफॉर्मांस ऑफ नोमादिक फुलानि गर्ल्स इन अदमवा स्टेट. सबमिटेड टू द स्कूल ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ जोस. 21 जनवरी 2025 को इंटरनेट से लिया गया.
- बुसातो, विटोरियो वी., फ्रैंस, जैन I एंड क्रिस्टियन (2000). इंटैलेक्चुअल एबिलिटी. लर्निंग स्टाइल, पर्सनलिटी, अचीवमेंट मोटिवेशन एंड अकादमिक सक्सेस ऑफ साइकोलॉजी स्टूडेंट्स इन हाईयर एडुकेशन. पर्सनलिटी एंड इंडिवीडुअल डिफरेंसस, 29(6) 1057-1068.
- ब्रौस्सर्ड, शेरी कोटेस् (2002). द रिलेशनशिप बिट्वीन क्लासरूम मोटिवेशन एंड अकादमिक अचीवमेंट इन फर्स्ट एंड थर्ड ग्रेडर. ए थेसिस सबमिटेड टू द ग्रेजुएट फैकल्टी ऑफ द लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी. http://etd.lsu.edu/
- मंगून्सोंग, फ्रीडा, डी. डी. के. (1998). साइकोलॉजी एंड एडुकेशनल ऑफ एक्सेप्शनल चिल्ड्रेन. डिपोक.
- मंजुवानी, ई. & अनुराधा, के. (2011). अचीवमेंट मोटिवेशन ऑफ चिल्ड्रेन ऑफ सिंगल पैरेंट्स एंड टू पैरेंट्स फैमिलिज. जर्नल ऑफ कंमुनिटी गाइडेंस एंड रिसर्च, 28(1), 147-153.
- मज्जुब, रोहत्य, एम. (2010). इंवेस्टिगेटिंग रिलेशनशिप बिट्वीन सेल्फ-एफिकेसी, अचीवमेंट मोटिवेशन एंड लर्निंग स्ट्रेटजीज ऑफ यू. के. एम. अंडर ग्रेजुएट स्टूडेंट्स. एडवांस एडुकेशनल टेक्नोलॉजीज, 1, 187-190.
- मस्लोअ, ए. एच. (1984). मोटिवेशन एंड पर्सनलिटी. इंटरप्रेटर: नुरुल इमान. जकार्ता: पी टी. ग्रैमेडिया.
- मालसावमी एट. अल. (2019). एजुकेशनल इंटेरेस्ट्स ऑफ़ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स ऑफ़ चम्फाई डिस्ट्रिक्ट, मिजोरम. ओपेन एक्सेस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंस एंड इंजीनियरिंग, 4 (2), 19-22.
- माली & कुमार (2017). क्रिएटिव थिंकिंग ऑफ़ सेकण्ड्री स्कूल स्टूडेंट्स इन रिलेशन तो थेइर स्कूल टाइप एंड रेजिडेंशियल बैकग्राउंड. एजुकेशनल क्वेस्ट: ऐन इंटरनेशनल जर्नल एजुकेशन एंड एप्लाइड सोशल साइंस, 8 (स्पेशल इशू), 435-440.
- मैकल्याङ, डी. सी. (1987). ह्यूमन मोटिवेशन. कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस.
- रंजन, पी. एस. (2014). ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ एड्जस्टमेंट एंड अचीवमेंट मोटिवेशन ऑफ नॉर्मल एंड फिजिकैलि हंडीकैप्पेड कॉलेज स्टूडेंट्स. द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 2(1), 94-99.
- रहमावती, ए. & दौलाइ, डी. ए. (2016). अचीवमेंट मोटिवेशन ऑफ अडोलेसेण्ट्स विथ हियरिंग इम्पैरमेंट (इन टेरम्स ऑफ जेंडर). अडवांसेस इन सोशल साइंस, एडुकेशन एंड ह्युमेनीटीज रिसर्च, 81, 304-311.
- राव (2022). क्रिएटिविटी अमंग थे सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स - ए स्टडी. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च, 10(01), 821-831.
- शर्मा, बी. & सुब्रमनीआनंद, एन. (2006). रिलेशनशिप बिट्वीन सेल्फ- कंसेप्ट, अचीवमेंट मोटिवेशन एंड अचीवमेंट इन मैथेमेटिक्स: ए जेंडर कंपरिज़ॉन. एड्यूट्रेक, 5(9), 29-40.
- सस्ट्रॉइनता, ई., सलीम, एम. & सुगिआर्टो, एम. एच. (1977). एडुकेशन फॉर चिल्ड्रेन विथ हियरिंग इम्पैरमेंट एट एस. जी. पी. एल. बी, जकार्ता. देपदिकबुद

- सिधु, राजिंदर पाल कौर & परमिंदर सिंह (2005). कंपरेटिव स्टडी ऑफ कांसेप्ट अटाइनमेंट् मॉडल, एडवांस ऑरगेनाइजर मॉडल एंड कंवेंशनल मेथोड इन टीचिंग ऑफ फिजिक्स इन्टू इंटेलिजेंस एंड अचीवमेंट मोटिवेशन ऑफ नाइनथ क्लास स्टूडेंट्स, इंटरनेट से लिया गया जनवरी 18, 2025.
- सोमंत्रि, एस. (2007). साइकोलॉजी ऑफ चाइल्ड डिसेबिलिटीज. बंदउँग: पी. टी. रैफ़िका आदितामा.
- हडज़िएफएंडीए, एम.पी. & माहमुतोविक, ई. एच. (2021). डिफ्रेंसेस बिट्वीन डेफ एंड हार्ड ऑफ हियरिंग स्टूडेंट्स इन मोटिवेशन फॉर अकादमिक अचीवमेंट ह्युमन रिसर्च इन रिहैबिलिटेसन, 11(2), 151-158.
- हलदर & भट्टाचार्य (2020). ए स्टडी ऑन क्रिएटिविटी ऑफ़ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इन नॉर्थ 24 परगनास डिस्ट्रिक्स ऑफ़ वेस्ट बंगाल. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 8 (12), 1250-1257.
- हलवाह, इबतिसं (2006). द इफेक्टस ऑफ मोटिवेशन, फैमिली एनावैरानमेंट एंड स्टूडेंट्स कैरेक्टेरिस्टिस ऑन अकादमिक अचीवमेंट. जर्नल ऑफ इंस्ट्रक्शनल साइकोलॉजी, 25.
- *****